

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री में भीषण आग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भोपाल में यूनियन कार्बाइड कारखाने में भीषण आग लग गई। इस कारखाने में वर्ष 1984 में [मथिाइल आइसोसाइनेट \(Methyl Isocyanate-MIC\)](#) गैस के रिसाव के कारण हज़ारों लोगों की मृत्यु हो गई थी और लाखों लोग दवियांग हो गए थे।

मुख्य बटु:

- यहाँ लगी आग पर करीब एक घंटे बाद काबू पाया जा सका। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।
- आग की इस घटना के बाद एक बार फरि लोगों में इस बात को लेकर भय व्याप्त है कि इससे नकिलने वाला धुआँ उनके शरीर पर क्या प्रभाव डालेगा।
- वर्ष 1984 की गैस त्रासदी के बाद इस कारखाने को बंद कर दिया गया था।

भोपाल गैस त्रासदी

- परचिय:
 - भोपाल गैस त्रासदी इतहास में सबसे गंभीर औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक थी जो 2-3 दसिंबर, 1984 की रात भोपाल, मध्य प्रदेश में यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (UCIL) कीटनाशक संयंत्र में घटति हुई थी।
 - इस दुर्घटना में लोगों और पशुओं के अत्यधिक जहरीली गैस [मथिाइल आइसोसाइनेट \(MIC\)](#) के संपर्क में आने के कारण तत्काल मौतें तथा दीर्घकालिक सवास्थ्य प्रभाव देखे गए।
- गैस रसाव का कारण:
 - गैस रसाव का सटीक कारण अभी भी कॉर्पोरेट लापरवाही या करमचारियों की अनदेखी के बीच वविादति है। हालाँकि इस आपदा के कुछ कारक नमिनलखिति हैं:
 - UCIL संयंत्र में खराब रखरखाव वाले टैंकों में बड़ी मात्रा में MIC का भंडारण कथिया जा रहा था जो अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और वाष्पशील रसायन है।
 - वत्तीय घाटे और बाज़ार प्रतस्पर्द्धा के कारण संयंत्र का संचालन कम करमचारियों और सुरक्षा मानकों के साथ कथिया जा रहा था।
 - संयंत्र घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थति था, जहाँ आस-पास के नविसायियों हेतु कोई उचित आपातकालीन योजना या चेतावनी प्रणाली नहीं थी।
 - आपदा की रात जल की बड़ी मात्रा MIC भंडारण टैंकों (E610) (संभवतः दोषपूर्ण वाल्व या असंतुष्ट कार्यकर्त्ता द्वारा जान-बूझकर की गई तोड़फोड़ की वजह से) में से एक में प्रवेश कर गई।
 - इसने [रुष्माकषेपी अभकिरथिया](#) को उत्प्रेरति कथिया और टैंक के अंदर तापमान एवं दबाव को बढ़ा दिया, जसिसे वह फट गया और बड़ी मात्रा MIC गैस वातावरण में उत्सर्जति हो गई।